दैनिक जागरण 02/03/2023

कालेजों में तकनीकी शिक्षा का नए सत्र में खुलेगा दरवाजा, ईवी व निर्माण दिखाएगा नई दिशा

जागरण संवाददाता, अंबाला : कालेजों में शिक्षा सत्र 2023-24 में इस बार तकनीकी शिक्षा के दरवाजे खुलेंगे। सरकार द्वारा घोषित किए गए बजट में तकनीकी शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने घोषणा की है।

हालांकि अभी तक मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कालेज में इसे शुरू किए जाने की योजना है। इसको लेकर कालेजों में भी हलचल है और अभी इंतजार कर रहे हैं कि वे जिन विश्वविद्यालयों से संबद्ध रखते हैं, वे कौन से कोर्स आदि शुरू करते हैं। वहीं माना जा रहा है कि नए शिक्षा सत्र में जिला के कालेजों में तकनीकी शिक्षा को शुरू किया जा सकता है।

हालांकि प्राचार्य भी मान रहे हैं कि विद्यार्थियों के लिए यह कदम काफी बेहतर है और इसके परिणाम भविष्य में सकारात्मक रहेंगे। जल्द ही बारहवीं की परीक्षाएं खत्म होंगी और परिणाम के बाद कालेजों में एडमिशन को लेकर तैयारियां होंगी, जबकि विद्यार्थियों को कई आप्शन मिल सकते हैं।

- अंबाला के कालेज प्रबंधन भी प्रारूप और निर्देशों को लेकर कर रहे इंतजार
- प्राचार्य बोले, कदम बेहतर है और विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे

यह है योजना : सरकार ने बजट में घोषणा की है कि मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों व कालेजों में तकनीकी शिक्षा के साथ रोजगारपरक कार्यक्रमों को भी शुरू किया जाएगा। इसके तहत इलेक्ट्रानिक व्हीकल, मैनुफैक्टचरिंग, फार्मेसी और ग्रीन टैक्नालजी में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाने की योजना है। अब नए शिक्षा सत्र में किन विश्वविद्यालयों व कालेजों में यह केंद्र स्थापित होंगे यह जल्द स्पष्ट हो जाएगा।

कालेज में विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा मिले, यह

एक बेहतर कदम रहेगा। कालेज भी अपने स्तर पर कुछ नए कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के बारे में भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। - डा. रोहित दत्त, प्राचार्य जीएमएन कालेज अंबाला कैंट

नई शिक्षा नीति को लेकर कुछ बदलाव तो सामने आएंगे ही। यह भी

सही है कि विद्यार्थियों को यदि रोजगार से संबंधित शिक्षा मिल जाती है, तो यह उनके ही नहीं बल्कि देश के भविष्य के लिए भी बेहतर है।

- डा. अनुपमा आर्य, प्राचार्य आर्य गर्ल्स कालेज अंबाला कैंट